Mentorship Program

दृष्टि The Vision

Test-1

drishti

Drishti Mentorship Program Mains-2023

निबंध (ESSAY)

निर्धारित समय: 3 घंटे Time allowed: 3 Hours	अधिकतम अंक: 250 Maximum Marks: 250

Name: Ashok Soni
Mobile Number:

Medium (English/Hindi): Hindi
Email:

Center & Date: MukharjeeNagar
UPSC Roll No.: 0825213 0

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णत: काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A		
खंड-B Section-B		
सकल योग (Grand Total)		

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

खण्ड-A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सूचना लोकतंत्र की मुद्रा है।

क्या ऐसे लोकतंत्र की कल्पना की जा सकती है जो लोगों के द्वारा हो परंतु लोग उसमें शामिल ही ना हो? क्या बिना पहिये एवं ईंधन के भी गाड़ी चलायी जा सकती है? वस्तुत लोकतंत्र जैसे शब्दों को सुनते ही हमें इनमें जनभावना के समाहित होने का सुखद एहसास होता है. हम यह मानकर ~~चल~~ चलते है कि शासन की इस यह व्यवस्था वर्तमान शासन व्यवस्थाओं मे सबसे उपयुक्त है। ~~शासन~~ इस व्यवस्था मे अंतिम व्यक्ति की अवाज सुनी जाती है एवं हर वर्ग के कल्याण को ध्यान मे रखा जाता है।

लेकिन यह प्रश्न उठ सकता है कि कैसे यह तय किया जाता है कि अमुक व्यक्ति या वर्ग का कल्याण किस प्रकार

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

किया जा सकता है? या फिर लोग यह विश्वास कैसे कर सकते हैं कि उनके द्वारा चुनी गयी सरकार सही ढंग से काम कर रही है।

वस्तुतः इन सभी प्रश्नों के एक शब्द में उत्तर है 'सूचना' जो किसी भी लोकतंत्र के सुचारू रूप से चलने का आधार है। सरकार जन कल्याणकारी नीतियाँ बना सके एवं जनता अपने सरकार के बारे में जान सके इसका प्रमुख माध्यम है पारदर्शी तरीके से सूचनाओं का आदान-प्रदान होना। जो भूमिका अर्थव्यवस्था को चलाने में मुद्रा निभाती है वही भूमिका ~~अर्थव्य~~ लोकतंत्र को चलाने में सूचना की है। उदा. ब्लैकमनी रहित, ~~Tax को समय पर चुकाना~~, Tax चोरी न करना, डिजिटल ट्रान्जक्शन इत्यादि के रूप में बेहतर मुद्रा संचलन से अर्थव्यवस्था मजबूत होती है ठीक वैसे ही फेक न्यूज रहित, पारदर्शी, सत्यनिष्ठ सूचनाओं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

से लोकतंत्र मजबूत बनता है।

अगर राजशाही एवं अधिनायकवादी व्यवस्था में देखा जाए तो सूचनाओं को अधिक से अधिक दबाने की प्रवृत्ति होती है ताकि शासन को निरंकुश ढंग से सिर्फ शासितों के कल्याण हेतु चलाया जा सके। हालांकि इस प्रकार की व्यवस्थाओं का अंत सुनिश्चित होता है। उदा. सोवियत संघ का 1991 में विघटन।

"प्रजा सुखे सुखं राज्ञ, प्रजा हिते चाहितम्"

आचार्य चाणक्य द्वारा प्रस्तुत यह प्रसंग शासन व्यवस्था में जनकल्याण की महत्ता को प्रतिबिंबित करता है जिसके लिए आवश्यक है कि बेहतर सूचना प्रवाह के माध्यम से लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए नीतियां बनायी एवं क्रियान्वित की जाए एवं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रत्येक व्यक्ति को बोलने एवं अपने विचार को व्यक्त करने का अधिकार हो ताकि सभी को सुना जाए। इसी को चरितार्थ करते हुए J.S मिल ने कहा है:-

'सत्य अपने आप में उत्पन्न नहीं होता बल्कि विरोधी विचारधाराओं से उत्पन्न होता है।'

एक सफल एवं मजबूत लोकतंत्र में विरोधी मतों एवं विचारों को भी सुना गया है एवं लोकतांत्रिक सरकारों ने समय-समय पर विभिन्न प्रयासों के माध्यम से पारदर्शी रूप से सूचनाओं के प्रवाह को सुगम बनाने का कार्य किया है।

इस दिशा में हमारे संविधान के अनुच्छेद 19 व 21 में निर्देशित 'सूचना का अधिकार' एवं इस दिशा में 'सूचना का अधिकार 2005' का प्रयास काफी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

महत्वपूर्ण हो जाते है। इसके कानून के सहारे व्यक्ति सरकार राज्य से जुड़ी किसी भी सार्वजनिक सूचना (कुछ अपवाद छोड़कर) की मांग अधिकार स्वरूप मांग सकता है।

ऐसा ही एक अन्य प्रयास के.एस पुट्टास्वामी वाद में माननीय सुप्रीम कोर्ट के निर्णय में 'निजता के अधिकार' को मूल अधिकार की श्रेणी में रखना है। यह अधिकार लोगों को उनकी निजी जिंदगी में सरकारी हस्तक्षेप को रोकता है एवं उनकी निजता की सुरक्षा करता है।

जहां एक ओर व्यक्ति की निजी सुरक्षा सूचनाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना जरूरी है वही दूसरी ओर शासन, राजनीति, अर्थव्यवस्था एवं वैश्विक घटनाओं से जुड़ी सत्य जानकारी का उस तक पहुंचना भी जरूरी है ताकि व्यक्ति विवेकशील होकर निर्णय ले सके।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

लोकतंत्र में सूचनाओं को लोगों तक पहुँचाने की ~~आधार~~ जिम्मेदारी लोकतंत्र के पांचवें स्तम्भ अर्थात मीडिया की है। मीडिया के लिए यह आवश्यक है कि सच्ची एवं सार्वजनिक महत्व की सूचनाओं को लोगों तक पहुँचाए एवं लोग व शासन के मध्य मध्यस्थ की भूमिका निभाए।

इस दिशा में ~~व शर्मी~~

वर्तमान में आयी औद्योगिक क्रांति 4.0 जैसे 5G तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं विशेषतः सोशल मीडिया क्रांति ने महत्वपूर्ण कड़ी का कार्य किया है। सोशल मीडिया क्रांति ने छोटी सी ~~खबर~~ खबर को भी बड़े ही कम समय में लोगों तक पहुँचाने का कार्य किया है। उदा. दिल्ली के मुखर्जी नगर में कोचिंग संस्थान में लगी आग की

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

घटना जिसके पश्चात 'आग सुरक्षा' पर ध्यान दिया जा रहा है।

यह सोशल मीडिया सूचना क्रांति का ही कमाल है कि कोविड-19 से जुड़े सुरक्षा उपाय सभी तक पहुँच पाए लोग सोशल डिस्टेंसिंग के बारे में जागरूक हुए। हालांकि सोशल मीडिया सूचनाओं के संदर्भ में कुछ गंभीर चिंता फेक न्यूज, पेड-न्यूज, हेट स्पीच इत्यादि भी है। इसलिए सूचनाओं का उपयोग विवेकशीलता एवं तटस्थता के साथ हो ताकि लोकतंत्र की समृद्धि तय हो।

यह प्रश्न स्वाभाविक ही उठ सकता है कि लोकतंत्र की समृद्धि के आधार क्या हो? एवं उनकी पूर्ति का माध्यम क्या हो?

वस्तुतः लोकतंत्र लोगों का लोगों के लिए लोगों के द्वारा शासन (अब्राहम लिंकन) है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इसके लिए आवश्यक है कि इन नियमों, नीतियों एवं योजनाओं का पर काम किया जाए जो लोगों का कल्याण सुनिश्चित करे। समृद्ध लोकतंत्र का आधार पारदर्शी सूचनाओं के सहारे जनकल्याण, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, पंक्ति में अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति का कल्याण (सर्वोदय गांधी) एवं बहुसंख्यकों के साथ-2 अल्पसंख्यकों के हितों का ध्यान, एवं अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग है।

इनकी पूर्ति का तरीका 'सूचनाओं के सहारे लोगों को नीति निर्माण में शामिल करके मजबूत व टिकाऊ विकास है उदा. योजना आयोग की जगह नीति आयोग का निर्माण।

आज का युग मशीनों

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता का युग है एवं इस काल में मशीन लर्निंग के माध्यम से विभिन्न क्रियाविधियों को सम्पन्न किया जा रहा है जैसे लोगों की फूड हैबिट जानना, पसंद, राजनीतिक विचार, दैनिक गतिविधिया इत्यादि को समझ कर अपना उत्पाद बेचना। इन सभी का आधार सूचनाएं होती है। इसलिए सूचनाओं को 'डाटा गोल्ड' की संज्ञा दी जाती है।

ये डाटा गोल्ड नये भारत निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण है इनको समझकर ही भारत आजादी के इस अमृत काल में अपने देश के लोगों तक बेहतर ढंग से कल्याणकारी योजनाओं को पहुचाने में सफल हो सकेगा एवं जब हम आजादी का 100 वाँ वर्ष जब मना रहे होंगे

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

तब न सिर्फ हम विश्व के सबसे मजबूत एवं बड़े लोकतंत्र होंगे बल्कि

'विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास धर्म एवं उपासना' की स्वतंत्रता सुनिश्चित सामाजिक आर्थिक राजनीतिक न्याय व अवसरों की समता प्रदान करने वाले विश्व की सबसे बड़ी महाशक्ति भी होंगे। अंत मे यही कहूंगा कि 'लोकतंत्र रूपी मंदिर मे लोगों की पूजा करके ही इसे सुचारू ढंग से चलाया जा सकता है।' अर्थात इसमें लोगों के द्वारा होने के साथ-साथ लोगों के लिए' भी होना परम आवश्यक है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खंड - B

जितना अधिक हम अन्वेषण करते हैं
उतना ही अधिक हमें पता चलता है कि
कितना अधिक अन्वेषण करना बाकी है।

जब मैं बाल्यावस्था मे था तब अपने सीमित सीमित बुद्धि के सहारे सदैव इस सुखद भ्रम मे रहता था कि मुझे सब कुछ ज्ञात है मेरे लिए शायद मेरे आस-पास का ही क्षेत्र ही देश विश्व व सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड था, फिर मैं समय के साथ बड़ा हुआ एवं वयस्क अवस्था मे स्नातक स्तर की पढ़ाई करके जाना की अब काफी ज्ञान प्राप्त कर लिया है बुद्धि के विकास के साथ युवावस्था मैं यह ख्याल पला की शायद अब मुझे सम्पूर्ण ज्ञान मिल गया लेकिन जानने की यह यात्रा अनवरत चलती रही और नयी जानकारियों

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

का ब्रह्माण्ड सामने खुलता रहा एवं आज जब मैं वयोवृद्ध हो गया हु एवं जीवन की अंतिम यात्रा के करीब हु तब भी यही लग रहा है कि अब तक जो मैं जानता हूं वो एक नैनो कण के मात्रा भी नही है अभी भी जानने के लिए अनत बाकी है।

वस्तुत जब हम अज्ञानी होते है एवं अपने थोड़े-बहुत ज्ञान पर सब कुछ जान लेने का दंभ भरते है तब हमे यह ज्ञान ही नही होता है कि हमे कितना और अन्वेषण करना है। लेकिन जब हम यह स्वीकार अपनी अज्ञानता को स्वीकार करके चीजों का अन्वेषण करना शुरू करते है तो धीरे-धीरे क्रमागत रूप से नयी चीजे सामने आती जाती है तब हमे यह ज्ञात

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

होता है कि जितना अन्वेषण हमने किया है उससे कई गुना अन्वेषण करना अभी शेष है। यूरोपीय विद्वान सुकरात ने इस संदर्भ मे कहा है–

" मैं ज्ञानी इस संदर्भ मे हूं कि मैं यह जानता हूं कि मैं कितना अज्ञानी हूं ।"

कोपरनिकस, गैलेलियो ने अन्वेषण करके विश्व को यह बताया कि जो 'पृथ्वी केन्द्रीत' ज्ञान अभी तक ज्ञात है वो अधूरा है वास्तव मे पृथ्वी सूर्य के चक्कर लगाती है। अन्वेषण की यह यात्रा अब भी जारी है एवं कई नए ग्रहो, आकाशगंगाओं इत्यादि की खोज यह बताती है कि अन्वेषण की यात्रा अभी रुकी नही है अभी और अधिक अन्वेषण बाकी है।

महात्मा बुद्ध, महात्मा महावीर स्वामी ने ज्ञान व सत्य की खोज के लिए

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अथक अन्वेषण किया एवं कड़ी तपस्या के पश्चात सत्य से साक्षात्कार भी किया एवं अहिंसा, सत्य, मानव कल्याण, तर्कवाद विज्ञानवाद इत्यादि के बारे दिए उनके अन्वेषण वर्तमान में भी जारी है 'सत्य की स्थापना' का अन्वेषण अभी भी अधूरा है।

मोहनदास से महात्मा बनने निकले गांधी ने पोरबंदर से अफ्रीका के नटाल तक पहुँचे तो पाया की अभी सत्याग्रह, स्वशासन, अहिंसा, औपनिवेशिक सत्ता से देश को आजादी जैसे महान अन्वेषण कार्य करना है। अन्वेषण के इस क्रम में उन्होंने देश की ~~आर्~~ विदेशी शासन से आजादी का अन्वेषण जरूर किया लेकिन आजादी के 75 साल बाद भी औपनिवेशिक सोच से आजादी का

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अन्वेषण अभी भी बाकी है।

स्वामी विवेकानंद ने व्यक्ति की सेवा को अपना परम लक्ष्य माना एवं कहा -

'व्यक्ति की सेवा ही ईश्वर की सेवा है'।

जन कल्याण की अपनी इस भावना को उन्होंने बखूबी निभाया एवं लाखों दीन दुखियों की सहायता की। 'विश्व धर्म सम्मेलन' शिकागो में इन्होंने भारत के मस्तक को ऊँचा किया तथा भारत को विभिन्न सभ्यताओं की जननी कहा। व्यक्ति की सेवा के ~~अनुवेषण~~ अन्वेषण से ही उन्होंने संदेश दिया कि 'मानवता' ही परम लक्ष्य है एवं आज भी कई मानवाधिकारों को स्थापित करने हेतु विश्व आन्दोलित है।

~~आजादी के~~
आजादी के तुरंत पश्चात ही हमने

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

खुद को गणतंत्र घोषित किया एवं संविधान की लागू होने की घोषणा की। देश के सभी लोगों को मौलिक अधिकार, समानता, वयस्क मताधिकार जैसे अधिकार प्रदान कर राजनीतिक सामाजिक व आर्थिक अन्वेषण सुनिश्चित किए एवं अभी भी कई ऐसे तत्व है जो संविधान में बाकी रह गए थे उनको संशोधन के जरिए डाला रहा है जो यह दर्शाता है कि ~~एक बार~~ संविधान के अन्वेषण के पश्चात ही की कई अन्य अन्वेषणों का रास्ता तैयार हुआ। उदा. शासन के तीसरे तंत्र के रूप में पंचायती राज संस्थाओं की स्थापना इसमें महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण देना इत्यादि।

~~महिला~~ इस तरह महिलाओं के अधिकारों की अन्वेषण की दिशा मे जब हम आगे बढ़े तो पाया कि अभी

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भी पितृसत्तावादी मानसिकता को हटाना, महिलाओं के राजनीतिक, आर्थिक व सामाजिक नेतृत्व को सुनिश्चित करना, महिला सुरक्षा, लैंगिक अधिकार जैसे विभिन्न मुद्दे है जिनको खत्म करने का अन्वेषण अभी अधूरा है।

प्रसिद्ध फ्रांसीसी दार्शनिक रूसो ने कहा था कि – 'मनुष्य स्वतंत्र पैदा हुआ है लेकिन हर जगह बंधनों से जकड़ा हुआ है।'

वर्तमान मे भी विभिन्न ऐसे मुद्दे जैसे जाति प्रथा, गरीबी, पर्यावरण प्रदूषण, बेरोजगारी छुआछूत इत्यादि मौजूद है जिनके खात्मे की दिशा मे अन्वेषण करना महत्वपूर्ण ही नही बल्कि आवश्यम्भावी है।

इसी तरह का ही एक मुद्दा आज के सूचना तकनीकी युग मे साइबर सुरक्षा का है। अभी हाल ही मे आई वेब सीरिज

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

असुर-2 ने इस दिशा में विमर्श छेड़ दिया है कि कैसे आप कोई दूर बैठा व्यक्ति हमारे घर, रसोई, दैनिक जीवन यहाँ तक बेडरूम तक घुस सकता है। वस्तुतः इन्टरनेट क्रांति एवं सूचना तकनीकी अन्वेषण तो बड़े जोरों-शोर से हुआ था लेकिन इसी अन्वेषण ने विश्व के सामने साइबर सुरक्षा के उपाय ढूंढने जैसे अन्वेषणों को करने का मुद्दा रखा है।

वस्तुतः सूचना तकनीकी की इस दुनिया में नित नये अन्वेषण जारी हैं एवं एक अन्वेषण से 100 अन्य अन्वेषणों का रास्ता खुलता जा रहा है जैसे 4G, 5G व 6G का सफर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, इन्टरनेट ऑफ थिंग्स, 4D प्रिंटर, बिग

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

डाटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग व मेटावर्स जैसी नवीन तकनीकियाँ जिनके अन्वेषण व संवर्द्धन का कार्य नित नए आयाम ग्रहण किए हुए है।

भारत में सदियों से चली आ रही जाति प्रथा व छुआछूत जैसी कुप्रथाओं को दूर करने का अथक अन्वेषण हमारे मनस्वियों ज्योतिबा फुले, गोपाल हरि देशमुख, महात्मा गांधी व बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर ने किया। अम्बेडकर जी ने कहा -

'जब तक सामाजिक समानता न हासिल की जाए तब तक राजनीतिक समानता का कोई अर्थ नहीं है।'

हालांकि संविधान के अनुच्छेद 17 एवं नागरिक अधिकार अधिनियम 1955 से जाति प्रथा को कानूनी रूप से समाप्त कर

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

दिया लेकिन वर्तमान में भी यह हमारे समाज से पूरी तरह से नहीं मिट पायी है जिसको खत्म करने के तरीकों का अन्वेषण अब भी जारी है।

वर्तमान समय भौतिकतावादी संस्कृति का प्रचण्ड साक्ष्य प्रस्तुत कर रहा है क्योंकि हर कोई अधिक से अधिक संसाधनों पर कब्जा करने की होड़ में लगा हुआ है जिस पर माँ पृथ्वी पर अत्यधिक दबाव है। इस समय महात्मा गांधी जी के विचार 'पृथ्वी के पास पेट भरने के पर्याप्त है लेकिन लोभ भरने के लिए नहीं' को ध्यान में रखने की आवश्यकता है।

विश्व के समक्ष पर्यावरण संकट का विशाल दानव खड़ा है इससे लड़ने हेतु संसाधनों का मितव्ययी उपयोग एवं प्रदूषणकारी क्रियाविधियों पर ध्यान देने

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

की आवश्यकता है। इस दिशा में सतत विकास, UNFCCC, पेरिस जलवायु समझौता, भारत की 'Life' पहल, चक्रीय अर्थव्यवस्था जैसे विभिन्न तत्वों का अन्वेषण किया गया लेकिन जलवायु परिवर्तन के संकट को देखते हुए अभी उन तरीकों के अन्वेषण की आवश्यकता है जिनसे हरित विकास की ओर बढ़ा जा सके।

इस तरह सारतः यह कहना समीचीन होगा की जिस तरह बौद्ध धर्म के कार्य कारण सिद्धांत के अनुसार एक घटना दूसरी घटना को जन्म दे देती है ठीक वैसे ही जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में किस एक दिशा में किया गया प्रयास अगले नये प्रयासों का रास्ता खोल देता है। व्यक्ति के लिए यह आवश्यक है कि

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अपने ज्ञान को निरपेक्ष माने बिना हमेशा सफलता के अगले क्रम में लगे रहना चाहिए क्योंकि अगले क्रम में ही जाके यह पता चलता है कि अभी तो और भी कई कार्य बाकी है। अंत में यही कहूंगा कि - अन्वेषण ही अन्वेषणों का जनक है यह एक अनवरत चलती यात्रा है जो मानव सभ्यता के साथ-साथ चलती रहेगी।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

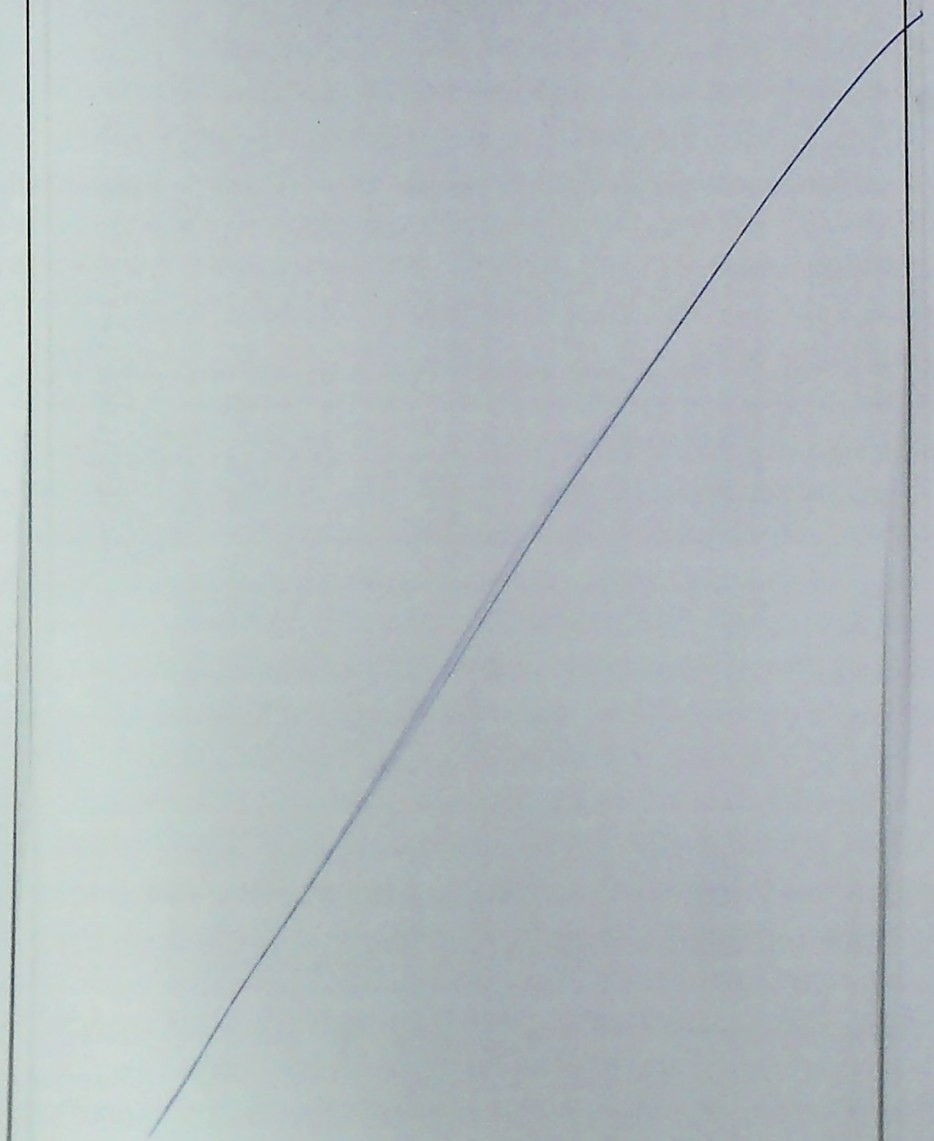

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation